ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आनलाईन कक्षा म सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -2

पंच परमेश्वर

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

समझू गाँव से गेहूँ, चना लादकर शहर ले जाता और शहर से सामान भरकर गाँव में बेचा करता। नए और स्वस्थ बैल से उसने खूब काम करवाया, दिन में तीन-तीन, चार-चार चक्कर लगवाए। वह बैल से काम तो खूब लेता पर उसे दाना-पानी नहीं देता था। परिणाम यह हुआ कि बैल की हड्डियाँ निकल आईं। एक दिन तो समझू ने बैल पर दुगना बोझा लादा। बेचारा जानवर ज़मीन पर बैठ गया और उठा ही नहीं। बैल मर चुका था।

अलगू चौधरी जब भी बैल के दाम माँगता तो समझू क्रोधित होकर रुपये देने से इंकार कर देता। अंत में दोनों में लड़ाई होने लगी। तंग आकर अलगू चौधरी ने समझू साहू के विपक्ष में पंचायत बिठाई।

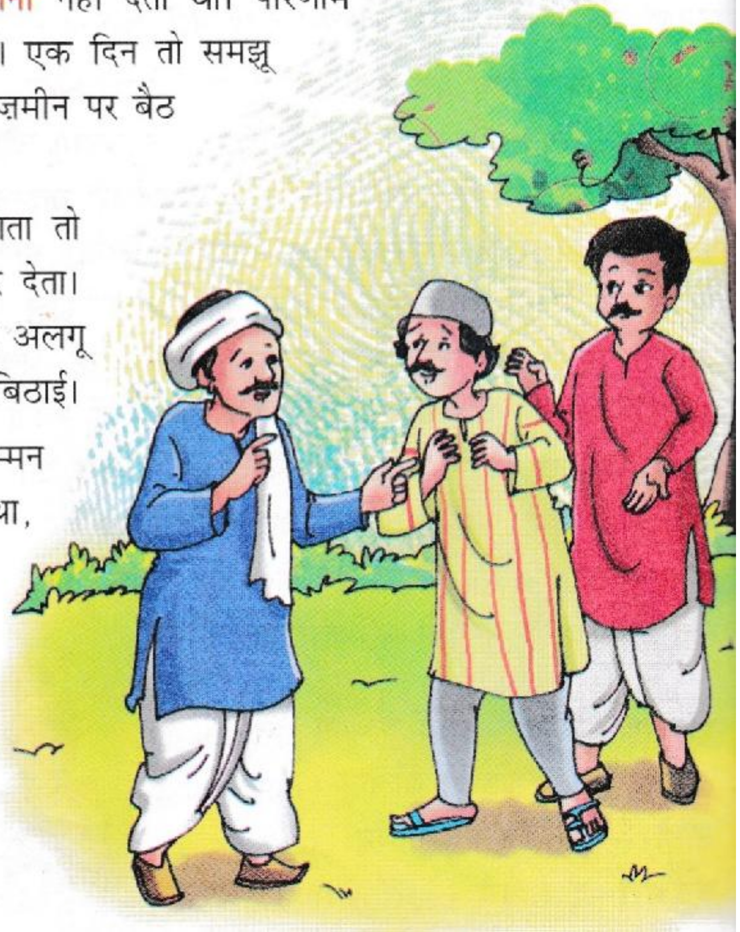

पंचायत बैठी। अलगू चौधरी और जुम्मन शेख के बैर का हाल समझू साहू जानता था, इसलिए अपनी ओर से उसने जुम्मन को पंच चुना। अलगू ने भी कोई आपत्ति नहीं की। उसने कहा, "यह पंचायत का मामला है। पंचायत के सामने मित्रता-शत्रुता का कोई भेद नहीं होता। पंचायत केवल न्याय का पक्ष लेती है। पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

जुम्मन शेख जब पंच बनकर बैठा तो पिछली सारी बातें भूल गया। बार-बार उसके कानों में यही शब्द गूँजते थे, "पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है।" दोनों पक्षों की बातों को सुनने के बाद जुम्मन ने कहा, "जिस समय बैल खरीदा गया, उसे कोई रोग नहीं था। यदि उसी समय उसका मूल्य चुका दिया जाता तो समझू साहू उसे फिर लेने के अधिकारी न होते। इसलिए समझू बैल का पूरा मूल्य दे दें।"

जो लोग पंचायत देखने आए थे, उन्होंने सोचा था कि आज जुम्मन अपना पुराना बदला लेंगे लेकिन निर्णय सुनकर वे चिल्ला उठे– "पंच परमेश्वर की जय, पंच परमेश्वर की जय।"

दोनों मित्र गले मिले और हँसते-हँसते गाँव की ओर निकल पड़े।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ -

लादकर – बोझ डालना

दाना – पानी – जीविका

हड्डियाँ निकलना – कमजोर होना

दुगना बोइ – ज्यादा वजन

इंकार – न मानना

विपक्ष – अन्य पक्ष का

नैर – दुश्मनी

हाल – जानकारी

न्याय – सच का पक्ष लेना

गूँजना – सब तरफ फैलना

बदला लेना- पलटा

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रस्तुत अंश में अलगू और समझू के झगड़े और अलगू के पंच बिठाना और पंच का न्याय करने के बारे में वर्णन किया गया है ।

अर्थबोध –

समझू नए बैल से खूब काम करवाया परंतु उसे खाने के लिए नहीं देता ।

ज्यादा काम करने के कारण बैल मर गया ।

अलगू बैलका दाम माँगने पर समझू क्रोधित होता है, एक दिन रूपये देने से मना कर देता है ।

धेनो में लड़ाई हुई तो समझू के विपक्ष में अलगू पंचायत बिठाया ।

अलगू और जुम्मन के बैर के बारे में जानते हुए समझू जुम्मन को पंच चुनता है ।

अलगू को इससे कोई आपत्ति नहीं होती क्यों कि वह जानता है कि पंचायत में मित्रता और शत्रुता का कोई भेद नहीं होता ।

पंच हमेशा न्याय करता है ।

झुम्मन पंच बनकर बैठने पर पिछली सारी बातें भूल गाया ।

दोनो पक्ष की बात सुनकर जुम्मन अलगु के पक्ष में न्याय किया ।

सम पंच का न्याय देख पंच परमेश्वर का जय जय गान करने लगे ।

रोनो मित्र अपना शत्रुता भूलकर गले मिले ।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृहकार्य:

पढाया गया पाठ को पढो ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow